सामाजिक विज्ञान

कक्षा 6

Chapter 5: इंडिया, अर्थात भारत

To get notes visit our website

mukutclasses.in

प्रश्न, क्रियाकलाप और परियोजनाएँ

प्रश्न 1. अध्याय के आरंभ में दिए गए उद्धरण का क्या अर्थ है? चर्चा कीजिए।
उत्तर: यह उद्धरण दर्शाता है कि भारत में प्राचीन काल से ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो चुकी थी। भले ही भारत भौगोलिक रूप से हिमालय से लेकर समुद्रों तक फैला हो, फिर भी उसकी जीवनधारा में एक साझा आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक भाव एकजुट रहे। यही एकता विविधताओं के बीच भारत को जोड़ने वाली शक्ति रही है।

प्रश्न 2. सही अथवा गलत की पहचान कीजिए -
→'ऋग्वेद' में भारत के संपूर्ण भूगोल का वर्णन किया गया है।
→ 'विष्णु पुराण' में संपूर्ण उपमहाद्वीप का वर्णन किया गया है।
→अशोक के समय 'जम्बूद्वीप' में आज का भारत, अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्र, बांग्लादेश और पाकिस्तान सम्मिलित थे।
→ महाभारत में कश्मीर, कच्छ और केरल समेत कई क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया गया है।
→'हिंदुस्तान' शब्द का प्रयोग 2,000 वर्ष से भी पहले सर्वप्रथम एक यूनानी शिलालेख में किया गया था।
→ प्राचीन फारसी में 'हिंदू' शब्द का उपयोग हिंदू धर्म के लिए किया गया है।
→ विदेशी यात्रियों द्वारा इंडिया को 'भारत' नाम दिया गया।
उत्तर:-
1. 'ऋग्वेद' में भारत के संपूर्ण भूगोल का वर्णन किया गया है। → गलत
2. 'विष्णु पुराण' में संपूर्ण उपमहाद्वीप का वर्णन किया गया है। → सही
3. अशोक के समय 'जम्बूद्वीप' में आज का भारत, अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्र, बांग्लादेश और पाकिस्तान सम्मिलित थे। → सही
4. महाभारत में कश्मीर, कच्छ और केरल समेत कई क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया गया है। → सही
5. 'हिंदुस्तान' शब्द का प्रयोग 2,000 वर्ष से भी पहले सर्वप्रथम एक यूनानी शिलालेख में किया गया था। → गलत
6. प्राचीन फारसी में 'हिंदू' शब्द का उपयोग हिंदू धर्म के लिए किया गया है। → गलत
7. विदेशी यात्रियों द्वारा इंडिया को 'भारत' नाम दिया गया। → गलत

प्रश्न 3. यदि आपका जन्म 2,000 वर्ष पूर्व हुआ होता और आपको अपने देश का नामकरण करने का अवसर मिलता, तो आप किस नाम का चयन करते एवं क्यों? अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग कीजिए।
उत्तर:- यदि मेरा जन्म 2,000 वर्ष पूर्व हुआ होता, तो मैं अपने देश का नाम "सुवर्णभूमि" रखता, क्योंकि यह इसकी समृद्धि, संस्कृति, ज्ञान और प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाता। भारत तब "सोने की चिड़िया" था, जहाँ नालंदा-तक्षशिला जैसे ज्ञान केंद्र थे और विविध धर्मों का संगम था। यह नाम देश की समावेशी और गौरवशाली पहचान को दर्शाता।

प्रश्न 4. प्राचीन काल में विश्व के विभिन्न भागों से लोग भारत की यात्रा क्यों करते थे? इस प्रकार की लंबी यात्रा करने के पीछे उनका उद्देश्य क्या था? (संकेत- कम से कम चार या पाँच उद्देश्य हो सकते हैं।)
उत्तर:- प्राचीन काल में विश्व के विभिन्न भागों से लोग भारत की यात्रा कई उद्देश्यों से करते थे, जिनमें प्रमुख थे:
1. शिक्षा और ज्ञान प्राप्ति के लिए।
2. व्यापार और आर्थिक लाभ के लिए।
3. धार्मिक और आध्यात्मिक खोज के लिए।
4. संस्कृति और कला के अध्ययन के लिए।
5. राजनीतिक और कूटनीतिक कारण से।
इन कारणों से भारत प्राचीन विश्व का एक प्रमुख केंद्र बना रहा।